



मुख्यमंत्री का कार्यालय

(जनसंपर्क कोषांग)

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या—cm-388
15/06/2026

भोजपुर जिले के उदवंतनगर में 32 एकड़ क्षेत्र में होगा इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क का निर्माण :- मुख्यमंत्री

मुख्य बिन्दु :-

- मुख्यमंत्री ने भोजपुर जिले के नवादाबेन पंचायत स्थित वाणासुर मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क का किया शिलान्यास।
- बाणासुर मत्स्य बीज प्रक्षेत्र की 32 एकड़ भूमि पर मछली पालन के अलावा इको टूरिज्म को भी विकसित किया जाएगा।
- इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क के निर्माण से मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होने के साथ ही स्थानीय रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा।
- पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्स्थापित किया है। यहां बाबू वीर कुंवर सिंह के नाम पर विश्वविद्यालय है, यह धरती शिक्षा का केंद्र बनेगी।
- इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क राज्य में आधुनिक एवं समेकित मत्स्य विकास का मॉडल केंद्र बनेगा। पोषण सुरक्षा एवं इको-टूरिज्म को मिलेगी गति।

पटना, 15 जून 2026 :- मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज भोजपुर जिले के उदवंतनगर प्रखंड के नवादाबेन पंचायत स्थित वाणासुर मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में 31.21 करोड़ रुपये की लागत से 32 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। अधिकारियों ने लेआउट प्लान के माध्यम से इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क में बनने वाली संरचना तथा विकसित होने वाले क्षेत्र के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभकों, मत्स्यपालकों को चाबी एवं कीट प्रदान की। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत विकसित होने वाले इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क में कार्प हैचरी, स्ट्रिप्ड कैटफिश हैचरी, ब्रुडर इन्क्यूबेशन यूनिट, ओवरहेड टैंक, कंक्रीट रियरिंग टैंक, ई0टी0पी0 पाइपलाइन, विभिन्न प्रकार के तालाब, बायो फ्लॉक इकाइयाँ, आर0ए0एस0, फीड मिल एवं मशीनरी, छात्रावास/अतिथि गृह, प्रशासनिक भवन, प्रयोगशाला एवं प्रशिक्षण परिसर, जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला, रोग निदान प्रयोगशाला तथा क्वारंटाइन टैंक एवं वेट लैब सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत और पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार का सपना धरातल पर उतर रहा है। आज ही हमने गयाजी में टेक्नोलॉजी पार्क का शिलान्यास किया है। कृषि, मत्स्यपालन और पशुपालन ही बिहार की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा। दक्षिण बिहार पशुपालन के लिए जाना जाता है, जबकि उत्तरी बिहार में मत्स्यपालन बड़े पैमाने पर होता है, यह जीविकोपार्जन का मुख्य साधन है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में मछली उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के कार्यकाल में बिहार में मछली उत्पादन में तीन गुनी बढ़ोतरी हुई है। बिहार की धरती में इतनी ताकत है कि पूरे झारखंड को भी मछली खिला सकता है। यहां बाणासुर मत्स्यबीज प्रक्षेत्र की 32 एकड़ भूमि पर मछली पालन के अलावा इको टूरिज्म विकसित किया जाएगा। इस स्थल के एक तरफ रेलवे ट्रैक है, जबकि दूसरी तरफ फोरलेन सड़क है। यह ऐसी धरती है जिसके दोनों तरफ फोरलेन है। आप सभी के आशीर्वाद से मैं बिहार को समृद्ध और विकसित बनाने के लिए निरंतर काम कर रहा हूँ। आप सभी के सहयोग से बिहार समृद्ध होगा, यह मैं आप सभी को आश्वस्त करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीन ड्राइव की तर्ज पर मनेर से बक्सर तक सड़क का निर्माण कराया जाएगा, जिसका नामकरण महर्षि विश्वामित्र के नाम पर होगा। वर्ष 2030 में जब मैं आप सभी के बीच वोट मांगने आऊंगा, तब आपके बगल में मरीन ड्राइव ऐसा होगा जो आपको तथा आपके खेत को पानी से सुरक्षित रखेगा। पहले बिहार को सोन नदी का पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाता था। आदरणीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह समझौता हुआ कि सोन नदी का दो तिहाई पानी बिहार को मिलेगा, जबकि एक तिहाई पानी झारखंड इस्तेमाल करेगा। उन्होंने कहा कि मनेर के पास एक बराज बनाया जाएगा जो सोन नदी का पानी गंगा नदी में जाने से रोकेगा। पूरे बिहार में खराब पड़े 80 हजार चापाकलों को 15 जून तक दुरुस्त करने का लक्ष्य निर्धारित था, जिनमें से 75 हजार खराब पड़े चापाकलों को दुरुस्त कर लिया गया है। शेष जो खराब हैं, जिनकी मरम्मत नहीं की जा सकती है, उनके जगह नए चापाकल लगाए जाएंगे। यह इलाका धान का कटोरा कहलाता है। इस इलाके को हर प्रकार से समृद्ध और विकसित बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 से बिहार के सभी घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। अब हमलोगों ने ढाई लाख लोगों के घरों के छतों पर सोलर युक्त बिजली मुहैया कराने हेतु सोलर पैनल लगाने का काम शुरू किया है। नवादा जिले में डैम पर सोलर पंप स्टोरेज सिस्टम लगाने का काम शुरू किया गया है। पूरे देश में सबसे सस्ती बिजली आपूर्ति करने वाला राज्य बिहार है, जहां बिजली उपभोक्ताओं को सबसे अधिक अनुदान 23 हजार करोड़ रुपये दिया जाता है। बिहार की ग्रामीण सड़कें काफी बेहतर हैं। बिहार में जितनी अधिक ग्रामीण सड़कें हैं उतनी देश में कहीं नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने सहयोग शिविर कार्यक्रम शुरू कराया है। प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन होता है, जिसमें अपनी समस्याओं के निष्पादन हेतु लोग आवेदन देते हैं। आवेदन देने के 30वें दिन के अंदर आवेदन का निष्पादन नहीं किया जाता है तो 31वें दिन संबंधित पदाधिकारी स्वतः निलंबित हो जायेंगे। हमें बिहार को विकसित और समृद्ध बनाने के लिए दोगुनी गति से काम करना होगा। ना सोना है ना सोने देना है, सरकार सदैव आपके साथ खड़ी है। आपकी समस्याओं का समाधान हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1952 से 2014 तक जितने गरीब लोगों को पक्का मकान नहीं मिला था, उसे दोगुना अधिक पक्का मकान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के शासनकाल में मुहैया कराया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के कार्यकाल में विगत 10 वर्षों में 55 लाख लोगों को पक्का मकान उपलब्ध कराया गया है। समाज

को अपराध मुक्त बनाते हुए बिहार को समृद्ध बनाना है। उन्होंने कहा कि जुलाई माह से बिहार के सभी प्रखंडों में डिग्री की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। बिहार के सभी 534 प्रखंडों में ऐसे मॉडल स्कूल स्थापित करने हैं जहां उच्च अधिकारियों से लेकर मंत्रियों और मुख्यमंत्री के बच्चे भी पढ़ने के लिए उत्सुक हों। पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्स्थापित करने का काम किया है। विक्रमशिला विश्वविद्यालय को भी पुनर्स्थापित किया जाएगा। यहां बाबू वीर कुंवर सिंह के नाम पर विश्वविद्यालय है। यह धरती शिक्षा का केंद्र बनेगा। भारत सरकार का पूरा सहयोग बिहार को मिल रहा है। इस एक्वा पार्क के स्थापित होने से राज्य में नवीनतम मत्स्य पालन तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन संभव होगा। साथ ही मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह परियोजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने, पोषण सुरक्षा बढ़ाने और मत्स्य किसानों की आय में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री पंचायती राज और मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण मंत्री सह भोजपुर जिला के प्रभारी मंत्री श्री अरुण शंकर प्रसाद, उच्च शिक्षा एवं विधि मंत्री श्री संजय सिंह टाइगर, सांसद श्री सुदामा प्रसाद, सचिव मत्स्य पालन भारत सरकार डॉ० अभिलक्ष लिखी, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव, श्री शीर्षत कपिल अशोक ने भी सम्बोधित किया।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नेताओं एवं जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री को पुष्प-गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेटकर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री पंचायती राज और मत्स्य पालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण मंत्री सह भोजपुर जिला के प्रभारी मंत्री श्री अरुण शंकर प्रसाद, उच्च शिक्षा एवं विधि मंत्री श्री संजय सिंह टाइगर, सांसद श्री सुदामा प्रसाद, विधायक श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक श्री राधाचरण साह, विधायक श्री महेश पासवान, विधायक श्री राकेश रंजन, विधान पार्षद श्री जीवन कुमार, विधान पार्षद श्री सोनू कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, सचिव, मत्स्यपालन भारत सरकार डॉ० अभिलक्ष लिखी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव श्री शीर्षत कपिल अशोक, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक वरवड़े, शाहाबाद क्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक डॉ० सत्य प्रकाश, जिलाधिकारी श्री तनय सुल्तानिया, पुलिस अधीक्षक श्री राज सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, वरीय पदाधिकारीगण, गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।
